पाठ 2. आत्माराम

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। यह कहानी प्रसिद्ध कहानीकार मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखी गई है। महादेव सोनार के तोते आत्माराम ने पिंजरे से बाहर जाकर महादेव को चोरों द्वारा छोड़े गए खज़ाने तक पहुँचा दिया। इस खज़ाने के साथ उसने अपने आचरण में बदलाव के साथ यह भी अनुभव किया कि दुनिया अच्छी है, कम से कम उतनी बुरी तो नहीं है जितनी वह सोचता था।

पाठ का सार

महादेव सोनार अपने पारिवारिक जीवन में दुखी है और उसका सारा ध्यान अपने पालतू तोते 'आत्माराम' पर ही टिका रहता है। बाकी दुनिया का व्यवहार महादेव के प्रति रूखा ही नहीं तकलीफ़ देने वाला भी है। महादेव के लिए यह दुनिया अच्छे लोगों की नहीं है।

एक दिन आत्माराम पिंजरा खुला देखकर उड़कर एक सूने स्थान पर चला जाता है। रात का समय है। महादेव ने रात के अँधेरे में कुछ आकृतियाँ देखीं। संयोग से वे चोर थे जो कहीं से बड़ा हाथ मारकर यहाँ आ छिपे थे। महादेव को देखते ही वे भाग खड़े हुए। महादेव ने देखा कि सामने दौलत का भंडार है। वह हैरान और प्रसन्न था। उसे लगा किस्मत पलटा खा गई। वह उस धन को लेकर अपने घर आ गया, साथ में आत्माराम भी था। अब महादेव का चरित्र बदलने लगता है। वह गाँव वालों से कहता है कि जिसके माल में मैंने बेइमानी की हो, खोट मिलाया हो वह अपना हिसाब मुझसे चुकता कर ले। सबको हैरानी, सिवाय एक पुरोहित के और कोई कुछ माँगने नहीं आया। महादेव ने जाना कि दुनिया वैसी नहीं है, जैसी वह पहले सोचता था। लोग अच्छे के साथ अच्छे हैं। कहानी एक सुखद सोच के साथ विराम लेती है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी को पढ़ाने से पूर्व हमारे समाज में इस कहानी की तरह की घटित घटनाओं की चर्चा कर वातावरण तैयार करें। महादेव सोनार के चरित्र के संबंध में कुछ बातें मौखिक रूप में बताएँ जिससे कहानी को लेकर बच्चों की जिज्ञासा बढ़े। वाचन की तमाम सीढ़ियाँ आवश्यकतानुरूप चढ़ते हुए कहानी के भावपूर्ण कथ्य को प्रभावित करने वाले प्रसंगों पर रुकें और बच्चों के साथ बातचीत करें। उनसे प्रश्न भी पूछें और अपेक्षित उत्तर पर चर्चा की आवश्यकता हो तो अवश्य करें।

  पाठ से संबंधित विचारों के बारे में कुछ प्रश्न निर्मित किए जाएँ, जैसे–यदि तुम महादेव सोनार की स्थिति में होते तो धन पाने पर कैसा व्यवहार करते।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।

- ❖ बच्चों को कारक के भेदों के बारे में बताएँ। वाक्य में कर्ता और कर्म की पहचान का तरीका भी बताएँ।
- ❖ पाठ के संदर्भ में जो मुहावरे आए हैं, उनको इंगित करते हुए मुहावरों का अर्थ समझने को कहें।
- ❖ **अ, सु, बे** व **स** जब मूल शब्द में उपसर्ग के रूप में जुड़ते हैं तो उसके अर्थ में क्या परिवर्तन होता है, यह समझाएँ। जैसे–'बे' प्रत्यय के जुड़ने से विपरीत भाव वाला शब्द बनता है।

◗ क्रियाकलाप के लिए संकेत

- ❖ अनुच्छेद लेखन में जिन बातों को ध्यान में रखा जाता है, उसके बारे में बताएँ। बच्चों में कम-से-कम शब्दों में सटीक लेखन करने की आदत डालें।
- ❖ 'कौन बनेगा करोड़पति' में भी प्रतियोगियों से पूछा जाता है कि वे इतने रुपयों का क्या करेंगे। ऐसे ही प्रश्न पूछने पर बच्चों द्वारा दिए गए उत्तरों का विश्लेषण करें/कराएँ।
- ❖ साक्षात्कार लेने के लिए प्रश्नावली तैयार करने में बच्चों की सहायता करें ताकि वे सटीक प्रश्न पूछ सकें।